

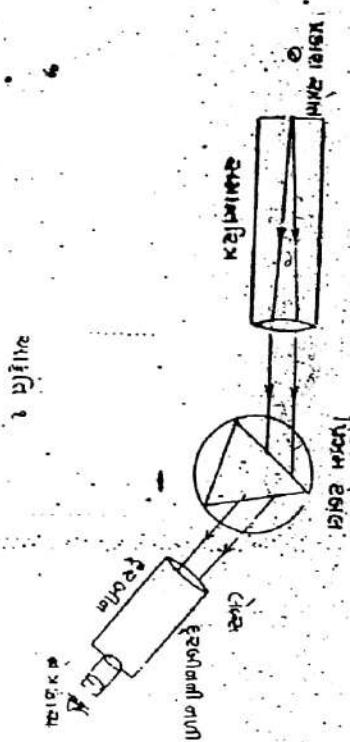
आयोगिक शैक्षिक शास्त्र

अंकाश

(१) समान्तरिक्षमा योग छोड़े समायोजित करी शमाय लेखुं रेखाओंमध्ये अन्ते गोटपवाचां आवे छे हे प्रकाशित रेखांचिमाना प्रकाशकिरणे दोन्साथी अहार आवतो समान्तर अने असात रेखांचिंद्याने आ समान्तरित वर्चयतु अतर दोन्साना दोषक्षम अतर लेख्यतु हातुं लोकां आ. समान्तरित वर्चयतु अतर साथे रिपर जडेतु हातुं छ.

(२) रेपेटोरीभाइटना कुन्हायां असे पसार थात्याते रीत उपर्यातीचे असेती शमाय तेवुं प्रिक्षम टेप्यात हातुं छ. आ प्रिक्षम टेप्यात साथे नष्ट केतिगारी पेच हातुं छ. दृश्यालनी साथे वर्तीपर भापक्षम जडेतो। हातुं छ.

(३) दृश्यानी नव्हाना प्रिक्षम टेप्यात तरक्कना हातुं अडिगाणी दोन्साहेप छे, लेखा दृश्यालन नव्हाय लेप छ, लेखा दृश्यालन तेभने अधारे पर दृश्याला हातुं छे हरचीन. प्रिक्षम टेप्याती असे आसापास दृश्याय तेवा रीते वृताकार भापक्षम साथे लेपेतु हातुं छ. आ भापक्षम पर प्रिक्षम टेप्यात जोडेतु वर्तीपर भापक्षम सरक्की शातुं छ.



प्रिक्षम टेप्यात आपासा दृश्यालन अथवा अनेने रिपर करी शमाय योग्यता असायोजना आटे रेप्लॉप्ट एका पथ आपेक्षा होय छ. वर्ती प्रिक्षम टेप्यात अने दूरभीनी सक्षम

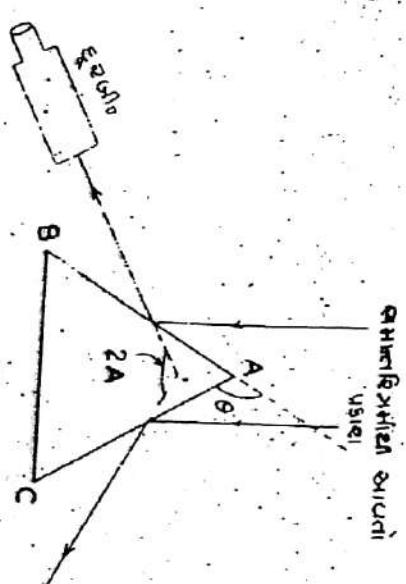
साधन : रेपेटोरीभाइट, प्रिक्षम, रिपरित लेवल, आवृत्तीकृत दोन्स आदि.

(१) रेपेटोरीभाइट लक्ष्यतम भाष्य शोधा. त्यार पक्षी रेपेटोरीभाइट अने समान्तरित रेखांचिमाना प्रकाश भाटे समायोजित करो. आप भाष्य करवा आटे इसतपु पर नव्हाय दोन्स करो अने रेपेटोरीभाइट भासी पासे कर्की लाग्या. दूरभीनी वर्तुकायते होना योजला तरक्क गोडावो.

(२) दूरभीनी वर्तुकायते अने नव्हाय वर्चयतु अतर दूरभीनी साथे आपेक्षा हातुं वर्तु दूरभीना ते नव्हायांमोर्चा होपाहु दूरभीनी वर्तुकायते होना योजला इसतपु साथे दिग्बोद्ध विता आयो.

(३) समान्तरित रेखांचिमाना प्रकाशित करी, समान्तरित अने दूरभीनी असायोजना लावा.

(४) उपर्यातर प्रकाशित रेखांचिमाना अने समान्तरित दोन्स वर्चयतु अतर अपुं गडिवा. कु लेखी दूरभीनी नव्हाय पर तेवुं प्रतिक्षिय इसतपु साथे दिग्बोद्ध विता आपेक्षा दृश्यत अती कुर्सिपाहु दूरभीय. रेखांचिमाना शमाय तरक्कु साकु होलु नोहाय प्रेयग. दूरभीनी अने समान्तरित समान्तर प्रकाश भाटीनी समायोजना आपाय प्रेयग. कुर्सिपाहु हो अहलनी नही.



(५) रेपेटोरीभाइटसे आधार अने प्रिक्षम टेप्यात रिपरित लेवलना उपयोग

(५) विक्रम ABC त्रिकोण ट्रिक्ष पर, तोना कृति कोण A समान है तरह ते प्रभाव जोड़ें। विक्रम ट्रिक्ष रिक्ष करो (आपूर्ति २)।

(६) हरणीन प्रिक्रम पृष्ठ AB वाले हरणी जो रथने जोड़ें। के प्रक्रियत रेखाओं AB आ हरणी प्रतिक्रिय नेत्रकाच्चा हृसत पु पर भी। हरणीन रिक्षर करो। (रेखाओं प्रतिक्रिय इसत पु पर देवा मृदुम सौभायेजना भाट रेखा के रेखों उपरोक्त करो।) हरणीनत रथन भापकम पर नोडे।

(७) हरणीन कुला करो अने तरने विक्रम पृष्ठ AC तरह करो। (७) नीम AC आ हरणी रेखाओं प्रतिक्रिय इसत पु पर देवा हृसत रथन भापकम पर भी नोडे।

(८) हरणीनां उ अने ८ ए रथनो वर्णनो कोण २४५ घण्य आपै।

(९) आ०८८ रीति क्षेत्र कोण तो विक्रमना भापकता ए भूखाया भापै।

(१०) हरणीन रिक्ष करति पृष्ठ प्रिक्रमो कोण रोधी। आ भाटे उ प्रभाव अवलोकन लीचा पक्षी। हरणीन ली उ रिक्षर करो। विक्रम ट्रिक्ष कुक्त करो अने तर एवी रीति करो। के प्रिक्रम पृष्ठ AC पृष्ठ, AB ते समानतर थाप।

यो वर्षते हरणी रेखाओं प्रतिक्रिय इसत पु पर आपूर्त जोड़ यो।

तथाचां ग्रेहणा नीचे प्रभाव शारणीज्ञ करो।

रेखाओं भावरो लक्ष्यतम भापै = सेवी

प्रभाव भावी वर्ष २३४ (विक्रम ट्रिक्ष रिक्ष राजने)

प्रक्षेपण सारणी

प्रावृत्ति	वर्तमान कोण		वर्तमान कोण		वर्तमान कोण
	वर्तमान कोण	वर्तमान कोण	वर्तमान कोण	वर्तमान कोण	
A	θ_1	θ_2	θ_1'	θ_2'	$\frac{\theta_1 - \theta_2}{2}$
B					
C					

પ્રિયમનો. વત્તંક ડોણુ (દૂરઘીત સ્થિર જાપીને)

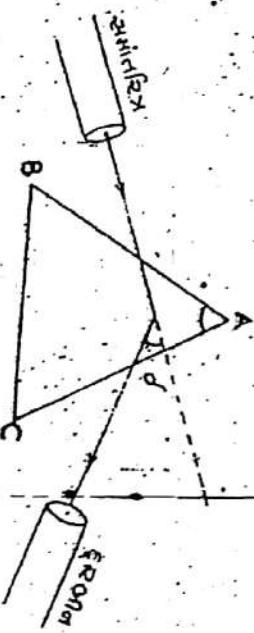
वर्तंक डोर्य	आरी I		आरी II		वर्तंक डोर्य	ओसित डोर्य
	θ_3	θ_4	θ'_3	θ'_4	$180 - (\theta_3 \sim \theta_4)$	$180 - (\theta'_3 \sim \theta'_4)$
A						
B						
C						

માયો ૧૦૧૫ ભૌતિકશાસ્ત્ર

੧੬੧

લખું તરમું અન્યાંસી હોય આપણા

ક્રિમાંકન : (૧) સમાજિચે માંથી પ્રકાશ પ્રિયમાના પ્રેરણ A.B પર આપત્તિ થાં હો (આપૃતિ ૩)



(2) इरणीन AC तरेक हाई लयो. अने रेखांच्यात वित्त प्रतिशेष

(३) आपत्तिकोष का नाम भी नहीं था वह यही बड़ी तरह प्रियम् रूप से देखा गया।

(५) निम्नम् हरि की रुधिराजद्वय सीधे अवलोकन दो
तमारा प्रेक्षणा निये प्रभाव सारणीपद बने।

प्रक्रम

- (१) विचलन, विभाजन आदे विशेषज्ञसमानी व्याख्याया।
 (२) शुद्ध अने अशुद्ध लघुपत्र। विरो समृद्धि आपे।
 (३) विशेषज्ञसमानी भहरव समग्रवा।

$\therefore \theta_r = A(n_r - 1)$ अर्थात्
 तथा ज रीति जांचो रंग भाटे
 $\theta_r = A(n_r - 1)$ भाटे।
 n_r अने n_o अतुक्तो लाल अने ज अंडो रंगो भाटे प्रियमना घतनाको हो।
 $\theta_r - \theta_i$ प्रियमे हृतपत्र करेको विशेषज्ञ क्षेत्रावय हो। आ अतिम रंगोना
 विशेषज्ञ साथना अध्यमान दरभाना विचलन ठान्टा अतुपात प्रियमनी विशेषज्ञ
 क्षमता कुङ्कमाव छ।

\therefore प्रियमनी विशेषज्ञसमान, $w = \frac{\theta_r - \theta_i}{\theta_m}$

$$\therefore w = \frac{A(n_o - 1) - A(n_r - 1)}{A(n_m - 1)}$$

$$\therefore w = \frac{n_o - n_r}{n_m - 1}; \quad (n_m = \frac{n_o + n_r}{2})$$

साधन : रेप्रोट्रोमीटर, प्रियम, निपरित लेवल, भक्तुर्दी लेवल इत्यादि।

(१) रेप्रोट्रोमीटर समांतर प्रक्षेत्रा भाटे समांगोजित करो।

(२) भक्तुर्दी लेवल सामे समांतरित रेखालिंग राखा प्रियम टेलल पर
 राखेका प्रक्षमान्या भक्तुर्दी वर्णपूर्व फूरणानमां छुँचो।

(३) लाल अने जांचो रंगो भाटे लघुतम विचलनकोणो अतुक्तो θ_i , अने
 θ_r शोधो।

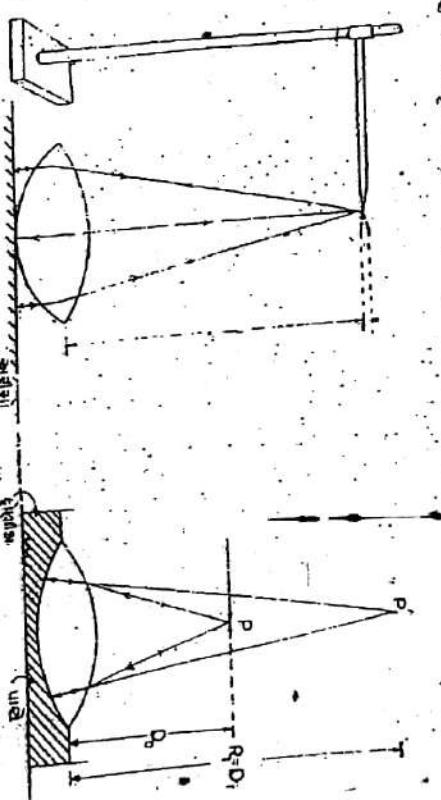
(४) प्रियमकोष आ रोधो।

(५) तभारा चेकणा नीचे प्रभागे सारणीमुख्य करो।

$$\text{प्रियमकोष } A = \frac{\theta_1 - \theta_2}{2} = \dots$$

लघुतम विचलन समानगो लाल रंग भाटे अवलोकन $\theta_3 = \dots$
 लघुतम विचलन स्थानमा ज्ञांचो रंग भाटे अवलोकन $\theta_4 = \dots$
 प्रियम हरे करी लोपेक्ष शीघ्र अवलोकन
 $\theta_r = \theta_3 - \theta = \dots$
 $\theta_o = \theta_4 - \theta = \dots$

$$\therefore n_r = \dots \quad n_o = \dots$$



भारी I	भारी II	θ_m	अवैक्षणिक
θ_5	θ_6	θ'_5	θ'_6

$$(9) \text{ संख्या } n = \frac{\sin \frac{A + \delta_m}{2}}{\sin \frac{A}{2}} \text{ तो } \text{उपर्योग करी प्रियमनि वर्तनाके शोधा।}$$

साधारणतमीया: (1) समान्तर प्रकाश भारेनी वर्तन शक्ति तेजश्च हृष्टी प्रसाद करनी।

(2) प्रथम रेप्लिकेटरनो। आधार अन्ते त्यार भाव प्रियम एकल समक्षितिक्षण करना। तो प्रियम द्वारा अद्यथा हृष्टीन हरवशो अपरे रेप्लिकेटर अतिरिक्त प्रतिरिक्षण इष्टक्षणमा चाहुँ जाए।

(3) एक वर्ग समान्तरित अनो हृष्टीननी समायोजना कर्या भी

आधार प्रोग्राम द्वारा न तेजनी समायोजना भवेत्तरी। नहीं।

(4) एक अन्य कोई प्रेसरनी हृष्टी तमारणी लिन छेष अनो तेजो त हृष्टीन तमारणी गोप्यतमा रेप्लिकेटर शक्ता हृष्टी तो तेजु तेजो नेत्राम् प्रमुख समायोजित करवा।

(5) समान्तरित रोमांड्रिल द्विवासणीनी स्त्री वर्ण साक्ष करो।

प्रयोग प्रकाशन्तर

आपेक्षा प्रवाहितो वर्तनाक तो योगा प्रियमना भरी रेप्लिकेटर वर्त शोधो।

प्रश्ना

(१) हृष्टीन साधन रेप्लिकेटर, अथवा रेप्लिकेटरोप शायी क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् ?

(२) समान्तर प्रकाश भारे तमे हृष्टी वर्तन श्वामी भारे तो क्षेत्रम् ?

(३) रेप्लिकेटर समान्तर प्रकाश भारे यु श्वामी गोप्यतो लेन्ड अने ?

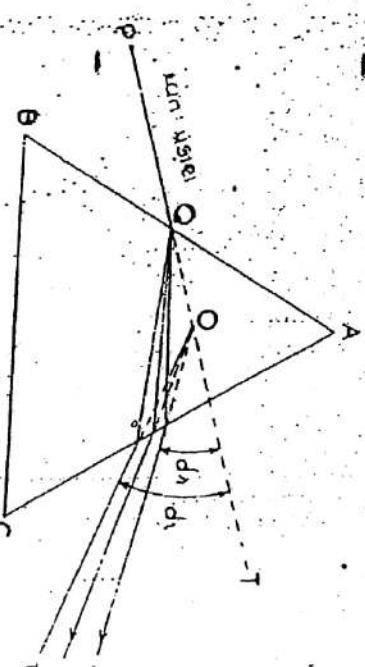
(४) हृष्टीन अने समान्तरिती रेप्यतामा जेद शो छे ?

प्रयोग ४८

प्रियमनी विक्षेपणक्षमता

ज्ञात: 'आपेक्षा प्रियमनी विक्षेपणक्षमता शोधनी।

सिद्धांत: धर्मो के प्रियम ABC मर प्रकाशन् श्वेत तिरण्य आपात श्वामी छे आ विवेत हिरण्यतः प्रियम तेना धर्म रेगामा विक्षेपण करे छे। प्रियमना



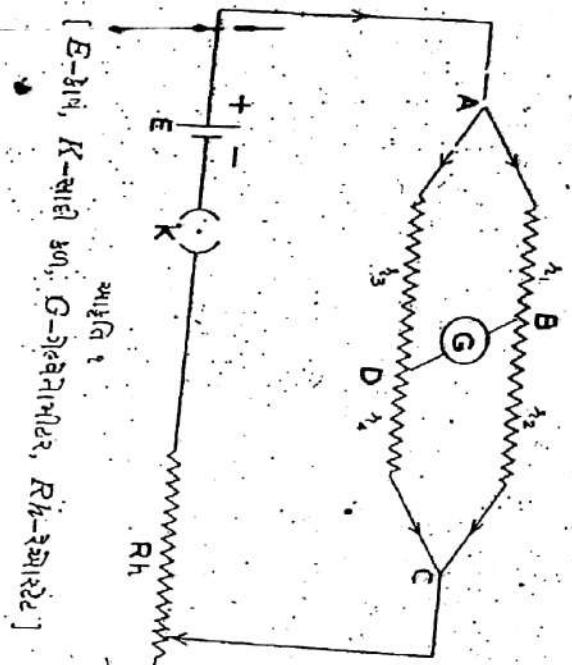
आ धर्मक्षेत्र गोप्यता विक्षेपण कर्त्तानी तिथा विक्षेपण क्षेत्रम् छे। श्वामी श्वामी विक्षेपित हिरण्यो भारे लक्ष्यतम विक्षेपण तिथो। श्वामी श्वामी हृष्टी छे (श्वामी आपाति)। तेजो श्वामी रेगो भारे तेजो श्वामी श्वामी वर्तनाक भारेन्तु संख आ रेगो भारे आपाते

$$\text{प्रयोग } \frac{A + \delta_1}{2} \text{ लाल रेग आरे}$$

b3 cjk

નિરૂપણ સેવનો ઉપયોગ

છેદ : I. અરાત. પ્રતિરોધ અને વિસ્તીર્ણ પ્રતિરોધ શાખાને, તેમજ
પ્રતિરોધાના લોડાણું નિયમોનું સાધારણ કરેલું.
II. જેવનો મુખ્યરોનો. પ્રતિરોધ રોધવો (ક્રેટિવન વિધિ).
III. વીજાકોપનો. પ્રતિરોધ શાખાને (માન્સ વિધિ).
IV. વિષબના. પ્રસ્તુતાની વિભિન્ની લઘુ પ્રતિરોધ શાખાને.

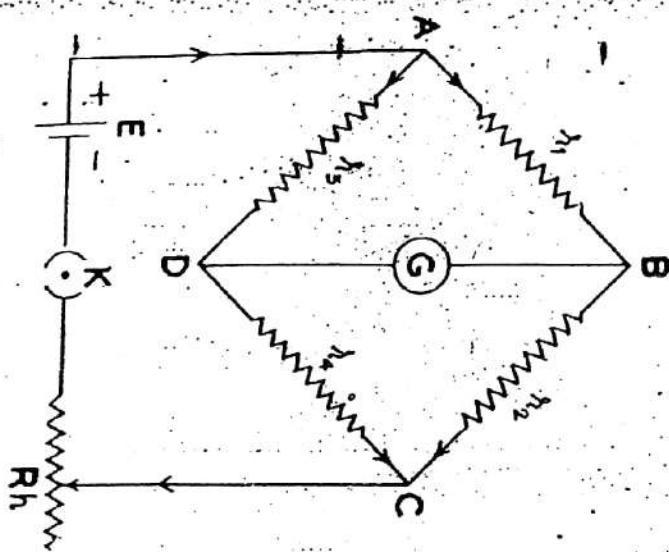


३५८

સાહેબના માટે, રાજી-રામોરદ્વારા

۱۴۲

નોંધેલા એ તાર છે. આ કાં વાહકોનાં વિલુપ્તયનો નણાં કહેવાથી છે. A અને C બિનુયા બચ્ચે સાંતરમાં
બચ્ચે આફુતિ ૧માં અતિન્યા પ્રમાણે હોય અને રેખાઓને સાથે શ્રેણીમાં નોંધેલા.
એમ લેખ Aથી C સખી ABC અને ADC પર જઈયો છીયો. તેમ તેમ



二十一

ADC શાખાઓમાં અનુભૂતિ ને વર્ણા કરી મળી છે. તો પાછોથી ૧, ૨, ૩, ૪ અનુભૂતિની AB, BC, AD અને DC તરફાની અનુભૂતિ હૈ.

1

1

विज्ञप्ति। निखिल धराडो थाएँ छ. परं ADC पर अधृत अवधि अद्वितीय शोधमुक्त भेदभाव शक्य है कि जब ABC परना कोई अविकल्प नहीं। विज्ञप्ति द्वाया B अने D एकसमान विज्ञप्तिवालां आवां ऐं अद्वितीय। नो आ अद्वितीय गेल्वेनोभीटर आरक्षते एकणीज साथे जोड़वां आवते हैं। B अने D वज्रे विज्ञप्तिवालां रूप हैं। विज्ञप्ति गेल्वेनोभीटरमां घट्ट ते प्रथम विकार यहो नहीं। धारा ३ वा V_o अने V_o अनुमते B अने D अद्वितीय विज्ञप्ति। गेल्वेनोभीटरमां आवधत न रूप हैं। यारे V_o = V_a भग छ. धारा ३ वा अने ii ABC अने

କୁଳ ଏକ ଶ୍ରୀ ଧର୍ମଧାରୀ = DC ଯାହିଁ ବିକଷିତ ହେଲା

$$V_0 - V_1 = V_1 - V_2$$

सभीकरण (1) न सभीकरण (2) वे लागतें
 $i_1 = i_2$ (2)

$$\frac{4}{84} = \frac{1}{21}$$

ଯାହା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

છે. ગેલવેનોભીટરમાં આવતાં ન શુણ્ય હોય। માટે શુણ્ય રૂરત $\frac{r_1}{r_2} = \frac{r_3}{r_4}$ સમીક્ષરણ રૂરત પ્રમાણે ભાગે છે.

I

The diagram shows a vacuum tube detector circuit. A battery E is connected in series with a filament resistor R_f . The filament is connected to the cathode K of a vacuum tube. The grid G is connected to ground. The plate circuit consists of a plate load resistor R_p and a检波器 (Chopper) stage. The检波器 stage includes a variable capacitor C and a检流计 (Chopper) meter X .

ମୁଦ୍ରଣ ତଥା

આહૃતિ ઉમા ખંતાંયા મ્રમાણે પણ નિહલસ્વીન લાગ રૂપાર કરી શકો છે. આચો પ્રતિરોધ ૨૧. પ્રતિરોધ પેટીમાના રાત પ્રતિરોધ Rના રૂપમાં હોય છે. પ્રતિરોધ ૨૨. અરૂસત પ્રતિરોધ Xના રૂપમાં હોય છે. પ્રતિરોધો ૨૩. અને ૨૪. સેહુ પર તાણેથા (૧ ભીએર દ્વારા) ધારુનાં નિયંત્રણ આંદ્રાધાયણા તાર ACના આગ AD અને DCના રૂપમાં હોય છે. તાર AC પર નેકો સરકારીને એવું બિંકું D રોધયાએ આવે છે કે તે વખતે ગેલેનો ભૌદરનો આવતાં ન હોય નહીં. આ રિચિટામા બિંકું D ફૂલભિંકું રહેખાય છે. જણાતી આ વધુસ્થા નિહલસ્વીન સેહુ (ભૌદર સેહુ) કહેલાય છે. સમીક્ષણણ (૩) હોવે.

$$\frac{R}{X} = \frac{\text{શર્ધાએ રૂપનો}}{\text{કુણાએ રૂપનો}} \text{ પ્રતિરૂપ}$$

$$\frac{R}{X} = \frac{I_R}{I_X}$$

(कारण तामा हृषीकेशर)

$$X = R \frac{l_x}{a}$$

R, जो अने १५ लाख में आगाम अतिरिक्त एवं X शेषी कीमत ४५ लाख के X लागत के उपर्याप्त है। X लागत की लाभांश ना समझाया गया था। अने लागत का आदेश दिया गया था। A ना उपर विभाग में दिया गया था।

$$d = x$$

न्या ७ समझभाष्य प्रतितिपिल आँ छ. तेहुं भल्य तरना ५०५ ५३ आधारस
राखे छ अने ते तरनो विशिष्य प्रतिरोध कहेपाथ छ.

$\rho = \frac{X \cdot A}{L}$ ओहम \times सेमी

યોગમ આપાડેના ક્રોણિકલ બાળાના એવ સેમી લંઘાઈનું હાર આપનો અતિશાખ તે
તારના દંડથ્યનો વિશીષિત પ્રતિરોધ હજુદામ છ.

卷之三

۲۷۱

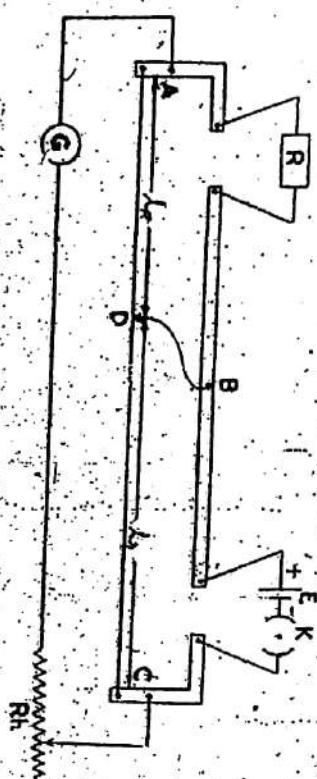
X₁ अने X₂ ए प्रतिरोधा । X₁ अने X₂ ए बिंदुओं का अने ० वर्षों के बीच अवैध
रीत नियमानुसार आवृत्ति होती है तो उनमें से अपनी ० सुखिता ग्रेड ०१ प्रति
भेदी होती है जो भेदी श्रेणी नियमानुसार अवृत्तियां हैं (जुग्मों माहिति ४) । अ-
नियमानुसार भेदी अवृत्ति अपनी ग्रेड ०१ प्रति वर्ष ०१५ अवृत्ति है ।

आधिकारिक ज्ञानकोश

विद्युत और यु-धंकेल

सांकेतिक उपयोगमें लाई गयी छ (मान्स विधि), आने आटे गेवनोमीटर G अते क्रौप E नो रूपाने अहलकाल करतामा आवे छ (चाहति ७).

III.



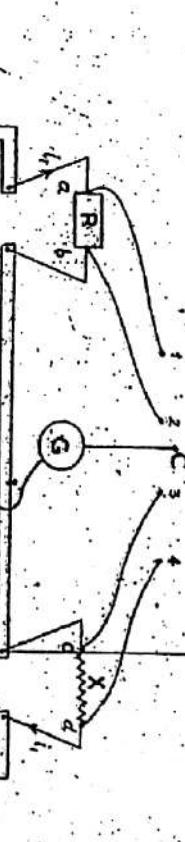
उद्घिननी शीतलमी क्रौप योडी पर्याय संतुलक लिए D गेवनवाचा आवे छ, आमा गेवनोमीटर मुख्य परिपथमा रुपाने गेवने छ आटे तेहुं अपातन नियंत्रित करतुं कैलीक वार जडवी अने छ. आमा गेवनोमीटरने शह नोवाचा आवे छ. आस रियलिमा

$$\frac{R}{r} = \frac{D}{E}$$

$$\therefore r = R \frac{E}{D} \quad \dots \quad (9)$$

उपर्या लिह्टरेन उतुना धूध व उपयोगमें पोज किणना प्रतिरोधी ओढ़ा चोया होता हे नोडाख परियो, आगे, नोडाख तारे आहिया प्रतिरोधी अवगती यक्षण तेथा लघु होता.

५. शोधवानो होय ते प्रतिरोध पूरतो क्रौप होय तो, तेहुं उपर्या क्रेस्टा विभवान्तर सेवु तरे हिमन क्रेस्टा विभवान्तर साथे सरभालीन तेहुं मुख्य शोध्या, आमारे आहाति ८ भागाव्याप्रमाणे नोडाखी करतामा आवे छ. चात बधुप्रतिरोधपेठी R अो आनामा आवे आगात लधुप्रतिरोध X



IV.

ज्यारे कुण R धूध करतामा आवे, तारे प्रधान प्रधान i, A आगण आवीते ये वातमां वड्हयाक्ष नाय छ. इत तारमाथी पसार धाय छ, अने R तया X भागी पसार धाय छ, ने अने B आगणे अणी रशीधी प्रधान प्रधान

प्रधान i, R अडे योड विभवान्तर उत्पन्न करे छ अते X आडे भीले विभवान्तर उत्पन्न करे छ. प्रधान i, आमाप सेवु तार पर योडसात विभवप्रधान उत्पन्न करे छ (तारते तिथासात आवीते तो).

५-१-८-C-G-नोडी ओढीमां नोडी चेतु तार पर नोडी ज्ञारक्षणीने धूध्य लिक्कु D शोध्याये क्षेत्रीय G आपातन अताव तेवी. असु, तारे न अने तेवी नोडाखी नोडाखी करतामा आवे छ. चात बधुप्रतिरोधपेठी R अो आनामा आवे आगात लधुप्रतिरोध X

धारा के ते V_a ए. तेथी i_1 रोते भिंडु E V_b विलम्ब, भिंडु F V_c विलम्ब, अने भिंडु H V_d विलम्ब परिपथना G लागभाँ क्षा 2, 3, 4 अथो लाई न भिंडुओ कहेवाप छ.

अने i_2 आउ (न्यूले i_2 R आउ) विलम्बातर $V_a - V_b = i_1 R$

$$= i_2 D \text{ अने } E \text{ भिंडुओ वर्चयनी } i_2 l_R \text{ लाई नो प्रतिरोध} = i_2 \times r \times l_R$$

लाई i_2 तारनी प्रतिरोधक्षा लाई नो प्रतिरोध छ.

$$\text{प्रतिरोध} = i_2 \cdot r \cdot l_R \text{ आथो } i_2 R = i_2 \cdot r \cdot l_R \text{ अने } i_2 X = i_2 \cdot r \cdot l_R \text{ लाई}$$

७. आ ऐ $\frac{V_a - V_d}{i_2} = i_2 \times F$ अने H भिंडुओ वर्चयनी तारनी i_2 लाई नो

प्रतिरोध $= i_2 \cdot r \cdot l_R$ आथो $i_2 R = i_2 \cdot r \cdot l_R$ अने $i_2 X = i_2 \cdot r \cdot l_R$ लाई

$$\frac{R}{X} = \frac{i_2}{l_R}$$

अथवा.

$$X = R \frac{l_R}{i_2} \text{ अने } \text{छ.}$$

I. तारना असात प्रतिरोध अने विशिष्ट प्रतिरोध शोधवा तेमन

प्रतिरोधना नोडाणना नियमेतु स्थापन करते.

साधना : इष्टस्टोन सेहु, क्रौष, चाडी कुण, प्रतिरोध पेटी, रेओरेड,

जैवरोग्यर, नोडाण तार, भाष्टक्षम्भुतर सहू कहाहि.

(इष्टस्टोन) : (१) आकृति तेमा हशील्या प्रभावी साधना नोडा.

(२) प्रतिरोध पेटीभाथी प्रतिरोधतु योग्य भूल्या लाई सेहु तार पर शैल्य अनु शेषी रीत शोधो कृ जैवनोभीतर आवतन अताव नहीं.

(३) लाई लाई अने i_2 गोधो.

(४) प्रतिरोध पेटीभाथी रना लाई लाई लाई प्रयोग करो.

(५) R अने X ना स्थान अद्वयमधल करी प्रयोग पुनः करो.

(६) असात प्रतिरोध तारनी लाई अने व्यास आरो.

(७) तमारा, प्रेक्षणो निये प्रभावी सारणीयद करो :

— तारनी लाई भाई, $i = \dots\dots$ सेमी

तारनी व्यास : (१) सेमी

(ii) सेमी

(iii) सेमी

ओसन व्यास, $d = \dots\dots$ सेमी

तारनी व्यास, $r = \frac{d}{2} = \dots\dots$ सेमी

आइएटु लीनरग $A = \pi r^2 = \dots\dots$ सेमी^२

विकृत अने युंडक्ट्स

साधनेतीया : (१) R अने X ना भूया संतुलनाम् छैना नेहैंनी।

(२) R अने X ना भूया विभान्न भारे R_h नी गोडब्ल्य ए ज रहै।
नेहै अ.

(३) R अथवा X आउनो विभान्नतर A अने B आउना विभान्नतर
करता योछ। हेवा नेहै अ.

प्रश्नो

- (१) विभवामध्य कोने कडेवाभा आवे छ?
- (२) कुणना विवाख (emf) नी व्याख्या आयो।
- (३) विषभरो चेहम क्यो?
- (४) आइ रेहट घरेफर देउद्वा छल्ल/कुल्ल अ याय?

प्रयोग ६४

प्रास्ट्रेमाइस योक्स

हुँदै : प्रास्ट्रेमाइस योक्सना (प्रयोगथी

- (१) असात प्रतिरोध शोध्वा।
- (२) चेहतोभियरो प्रतिरोध शोध्वा। (उद्दित विधि)
- (३) विल्कोषनो प्रतिरोध शोध्वा। (मान्स विधि).

सिस्टॉट : स वाहाक्नो प्रतिरोध शोध्वानी लिङ्गरस्तन सेवनी अह रीत
आपणे अगाडि नेहै गया छीयो। आ सेतुत आइ चुविध्वातु उपान्तर प्रास्ट्रेमाइस योक्स छ. तेह अपूर्ण नाम व्योद्या भारे आभवामा अमाझु छ के तो
डिप्योग तर शाईमां होय शोध्वा प्रास्ट्रेमाइसमा थापछ।

कुनै AB , BC अने AD प्रास्ट्रेमाइस योक्समा प्रतिरोध
 P (1000, 100, 10 चाहम), Q (10, 100, 1000 चाहम) आते R
(1, 2, 3, ..., 2000, 2000, 5000 चाहम) तरिक गोडवाभा आवे छे।
आझति १ अने ३ सरभावो CD चाहे असात प्रतिरोध X केहियामा आवे

प्रेक्षण सारणी

प्रेक्षण क्रमांक	R चाहम	I_1 सेमी	I_2 सेमी	$X = R \frac{I_2}{I_1}$ चाहम	औसत X चाहम
१	०				
२	०				
३	०				
४	०				
५	०				

સાથેતીઓઃ (૧) રેઝિસર્યરી C-આપત્તિમાં મેશાનિયન્સિત કરું.

(१) राज्यपाली C-आवत्तम विभिन्नत करने साथेतीयोः (२) कसुं संतुलन प्राप्ति कर्त्तव्य पक्षी ज संवेदिता माटे प्रशान वधरो

جعفر

प्रयोग प्रकारान्तरे

(१) यो सर्वान्योगिता बोक्सरी महारथी आपेक्षा तारनो प्रतिरोध शोधां असे ते परथी तारना दृश्यना विशेष प्रतिरोध शोधी.

(२) पारस्यमेहिस औक्तनी भवत्या आपेक्षा ए तरना प्रतिरोधा शोधा। पहली तेमना श्रेष्ठी अने अभान्द जोडाणा करी संभवत्य विशेषा शोधा। प्राप्त भव्यांना उपयोग करी विशेषा विधी लंडाणाना निधयो याचासे।

એમો
•(૧) પ્રતિરોધ આપવામાં નિષ્ટસ્થાન હેતુ કરનો ગોરબઘોરિસ માટ્રસમાં
ક્યો લાભ છે?

(२) P ना भरता Q भरो तो क्यारे लक्ष शक्षय? (जिल्हा) P : Q = 1000 : 101
भरते 10 : 1000 क्यारे लक्ष शक्षय ?)

નોંધ : અગ્ર Rમાંના કુલ પ્રતિરોધ કરતો નથી. અર્થાત પ્રતિરોધ મેળવેનું હોય ત્યારે આ પ્રમાણે લદ્ધ શક્યતા છે. કરારણું કે જો અમાત પ્રતિરોધ $X = 0.2$ ગ્રામઓફિન = 0.25×10^6 ગ્રામ હોય. ત્યારે આપણે $P : Q = 10 : 10000$ અનુપાત માર્ગ Rજ સુધ્ય 2500 ગ્રામ બેનું ખાડ્યો. જે $P : Q = 1000 : 1$ અથવા 100 : 10 હોય તો X શાખના શક્ય ન જાતા.

(३). योक्तु सते योसंस्थान्योग्यम् योक्तु स उत्तम् क्षेत्राभ्याम् आवे शुद्धि

$P_t = P_0 (1 + at)$ (1)
 अगर P_1 अने P_0 अवृक्षमें $t^o C$ अने $0^o C$ को दृष्टि नी प्रतिशोधकतामें
 त. अ प्रतिशोधकताने ता प्रभुष्यक क्षेत्रामध्ये परंतु आणेका कावळक्नो प्रतिशोध
 तेनी प्रतिशोधकताना समझाण्यामा ढोय त. $\left(\frac{P_t - P_0}{P_0} = at \right)$ ज्ञो अ. अने t^o

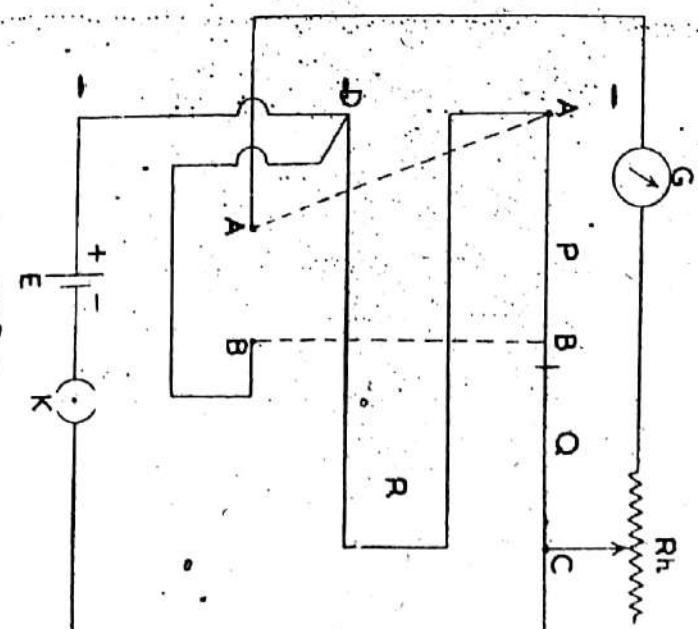
अखंडमे 8°C अते 0°C चे संबंधाता प्रतिशती खेत तो $\frac{L}{A} = \mu_1$ अते

۲۸۲

(૫) તાતો પ્રેક્ષણા નિયો પ્રમાણે સારથીખાડ કરો :

પ્રેક્ષણ
સારથી

પ્રેક્ષણ કોઈન	P	Q	R	$G = R \frac{Q}{P}$ ઓઈન ઓઈન ઓઈન	ઓઈન ગ્રેટ G
	10				
	100				
	1000				



(૩) તાતો પ્રેક્ષણા નિયો પ્રમાણે સારથીખાડ કરો :

પ્રેક્ષણ
સારથી

પ્રેક્ષણ કોઈન	P	Q	R	$r = R \frac{Q}{P}$ ઓઈન

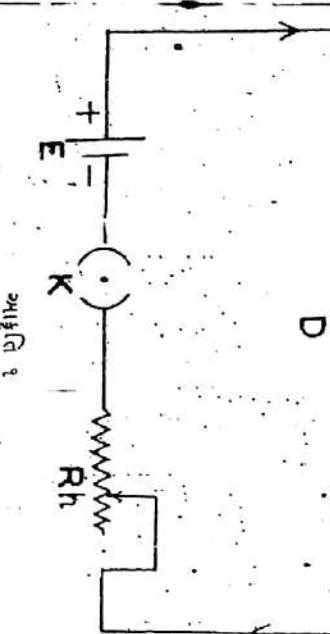
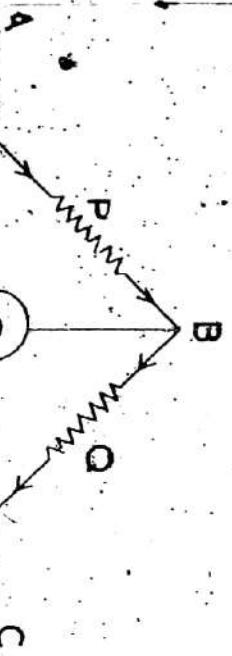
કોઈન આંતરિક પ્રતિરોધ શોધનો

કિયાંકમ : (૧) આડતિ જ્ઞાન ભાતાલ્યા પ્રમાણે સારથી નોંધો.

(૨) $P=10$ ઓઈન અને $Q=10$ ઓઈન, $P=100$ ઓઈન અને $Q=100$ ઓઈન અને $P=1000$ ઓઈન અને $Q=1000$ ઓઈન અને $P=10$ ઓઈન લઈ અગાઉ નાખ R મધ્ય રોધી કેલેદી ટેચ કણ A દાખલ પછી ટેચ કણ B દાખલતા.

ગેલ્નો મીટરમાં કોણુંપણું ન તુંત ન રહે. એનું $r = R \frac{Q}{P}$ નિયમથી કોઈન આતરિક અવરોધ ન ગળો.

६. A अने C बच्चे खेली, साही कड़ा अने रेस्टरेट श्रेष्ठीना लोडबानी आवे तथा B अने D बच्चे गेलेनोभाइर लोडबानी आवे छ.



क्यारे आर प्रतिरोधी P, Q, R अने X बच्चे G पी संतुलन स्थिरापन

हे तर्फे विद्युतरोपन सेवना सिद्धातमा सम्भवायु छ ते मुलां $\frac{P}{Q} = \frac{R}{X}$ थाए.

७. अद्या $X = R \frac{Q}{P}$ भए छ.

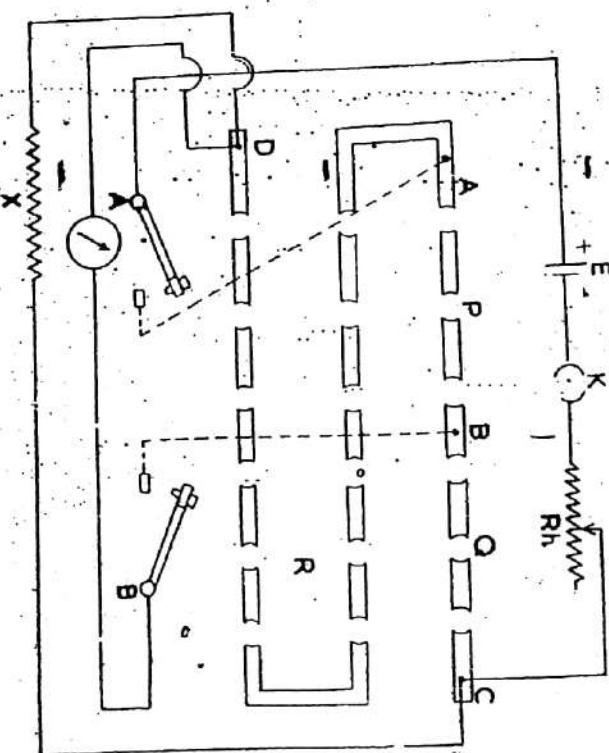
P, Q शात लहर संतुलन भए R शाधन X नी गण्डतरी करी शक्याथ.

साधनो : पेस्टमेटिक्स जॉड्स, कॉप, साही कडा, रेस्टरेट, गेलेनोभाइर, अरात प्रतिरोध.

अस्पात प्रतिरोध शाध्यो
क्षियाक्रम : (१) आइनि २भा अनावा प्रभावे साधनो जोडो।

(२) $P = 10$ ओहम अने $Q = 10$ ओहम पेस्टमेटिक्स जॉड्सभाई दो।

(३) तुम्हा ADमध्या R_1 ऐसु मूल्य दो. के नेही गेलेनोभाइरमा आपतन घटावती ओड भाऊ होय अने ज्यारे $(R + 1)$ ओहम लाई तो आपतन घटावती भीज भाऊ भगे. अरात प्रतिरोधात मूल्य ने सीभायो वर्त्ते. होय तेवुं मूल्य आछ. R_1 तु मूल्य नाहिए।



(४) आ सीमांचो सांकेती कराया $P = 100$ ओहम अने $Q = 10$ ओहम दो अने R शोधो. (R हु आ मूल्य आगांना मूल्य करता क्षणावर हस. गण्ड.)

(५) इरीथा $P = 1000$ ओहम अने $Q = 10$ ओहम दो अने R शोधो. (R हु आ मूल्य प्रथम मूल्य करता क्षणावर १०० गण्ड इशो.)

$P : Q = 1000 : 10$ अर्थात् प्रतिशेष १००० भूकम्पी

અદ્ધાર સુધી ગણી

(७) खीज असात प्रतिरोध भाटे प्रयोग करीथो करे।

१२५ अनुसारा इन्हें प्रभावित करते हैं (२).

P ઓહમ	Q ઓહમ	R ઓહમ	આગત પ્રતિરોધ $X = R \frac{Q}{P}$ ઓહમ
10	10	10	10
100	10	10	10
1000	10	10	10
10	10	10	10
100	10	10	10
1000	10	10	10

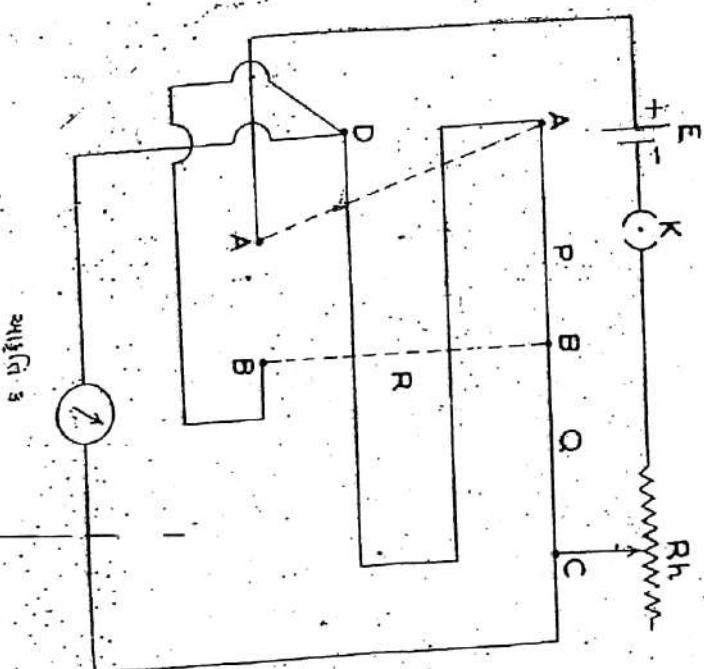
गोदवेना भी इसने। प्रतिरौध शोध्या (कुंडियन विधि)

કંદુકાં : માત્રાની અધ્યાત્મિક સાધનો બેઠું।

(2) $P=10$ મોહમ અને $Q=10$ મોહમ લઈ સાથે A દર્શાવો।

गृहवन्मादेवा आपत्तन् भयशः । त शुभ्या । क्व । २५ क्षणे B हीवता अथा आपत्तन् भयशाशो । R त्रु भृष्ट एवुं शाधो के B क्षण हीवता के एवज्ञतो आपत्तन् भयशाश्य नहीं । R त्रु आ भृष्ट गृहवन्मादेवा प्रियोर्ण गृहवन्मादेवा उपेवेगम् दिवः

(3) $P = 100$ ઓફિસ અને $Q = 10$ ઓફિસ લઈ આજ પ્રમાણે R શોપિયા. (R જુદ્ધ મંજુષ્ય વ્યવસ્થાના મંજુષ્ય કરતાં લખાસંગ દસ ગણં હશે.)



(४) $P = 1000$, योहम अते $Q = 10$ योहम लर्ह आज प्रभावि R
प्रयोगी श्रेष्ठी (R नं आः मूल्य प्रथम भूल्य करता लगाक्षण 100 गण्डु होता)